



# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (1)  
PART II—Section 3—Sub-section (1)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 436]  
No. 436]

नई दिल्ली, भृगलबार, अक्टूबर 9, 1990/आस्विन 17, 1912  
NEW DELHI, TUESDAY, OCTOBER 9, 1990/ASVINA 17, 1912

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वाली जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के लिए यह दो  
रक्षा का सक्ते

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a  
separate compilation

क्रित भ्रातालय

(राजस्व विभाग)

प्रधिसूचना

नई दिल्ली, 9 अक्टूबर, 1990

सं. 37/90-केन्द्रीय उत्पाद शुल्क (एन-टी)

सा. का. नि. 827(अ):— केन्द्रीय सरकार का  
यह समाधान हो गया है कि ऐसी प्रथा के अनुसार, जो  
केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और नमक अधिनियम, 1944  
(1944 का 1) के अधीन केन्द्रीय उत्पाद शुल्क के उद्ग्रहण  
की वाबत (जिसके अंतर्भूत उसका उद्ग्रहण न किया जाना  
है) साधारणतया प्रबलित थी, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क  
टैरिफ अधिनियम, 1985 (1986 का 5) की अनुसूची के  
अध्याय 29, 30, 32, 34 या 38 के अन्तर्गत आने वाले  
रंजक मध्यवत्तियों, भैषजिक उत्पाद वर्णक, संश्लिष्ट कार्बनिक,  
रंजक द्रव्य, चमकीले कारक पर उत्पाद शुल्क जो द्वितीय

वर्णित अधिनियम के उपर्याप्त सं. 2707.40 के अन्तर्गत  
आने वाले शायातिल नैपथ्यालिन पर, जिनका उपयोग ऐसे रंजक  
मध्यवत्तियों, भैषजिक उत्पाद वर्णक, संश्लिष्ट कार्बनिक, रंजक  
द्रव्य, चमकीले कारक के विनिर्माण में किया जाता है, सीमा  
शुल्क, टैरिफ अधिनियम, 1975 (1975 का 51) की धारा  
3 के अधीन उद्ग्रहणीय प्रतिरिक्षित शुल्क के बराबर है, 6  
अक्टूबर, 1986 को प्रारंभ होने वाली और 19 मार्च,  
1990 को समाप्त होने वाली अवधि के दौरान प्रथम वर्णित  
अधिनियम की धारा 3 के अधीन उद्ग्रहीत नहीं किया  
जा रहा था;

और ऐसे रंजक मध्यवत्तियों, भैषजिक उत्पाद वर्णक,  
संश्लिष्ट कार्बनिक, रंजक द्रव्य, चमकीले कारक पर विशेष  
उत्पाद शुल्क भी, ऐसे शुल्क के उद्ग्रहण से गंभीर सुर्खत  
विधि के अधीन पूर्वोक्त अवधि के दौरान उद्ग्रहीत नहीं  
किया जा रहा था;

अतः ग्रन्थ, केन्द्रीय सरकार प्रथम वर्णित अधिनियम की धारा 11 ग द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए, यह निदेश देती है कि उक्त प्रथा के न होने पर ऐसे रंजक मध्यवर्तियों, भैषजिक उत्पाद वर्णक, सिलिंष्ट कार्बनिक, रंजक प्रथ्य, चर्मकर्म कारक पर, यथास्थिति प्रथम वर्णित अधिनियम के चारधीन या उक्त विधि के अधीन सदैय संपूर्ण उत्पाद-शुल्क और विशेष उत्पाद शुल्क, ऐसे रंजक मध्यवर्तियों, भैषजिक उत्पाद वर्णक, सिलिंष्ट कार्बनिक, रंजक प्रथ्य, चर्मकर्म कारक की बाबत मंदाय किया जाना अवैधित नहीं होगा जिन पर उक्त उत्पाद शुल्क या विशेष उत्पाद शुल्क उक्त प्रथा के अनुसार पूर्वोक्त ग्रन्थि के द्वारा उद्ग्रहीत नहीं किया जा रहा था।

[का. सं. 95/3/90-के. उ. ण.-3]

सी. के. कलौनी, उप सचिव

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

NOTIFICATION

New Delhi, the 9th October, 1990

NO. 37/90-CENTRAL EXCISES (NT.)

G.S.R. 827(E).—Whereas the Central Government is satisfied that according to a practice that was generally prevalent regarding levy of duty of excise (including from-levy thereof) under the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), the duty of excise on dye intermediates, pharmaceutical products, pigments, synthetic organic dyestuff, leather tanning

agents falling within Chapters 29, 30, 32, 34 or 38 of the Schedule to the Central Excise Tariff Act, 1985 (5 of 1986) as is equivalent to the additional duty leviable under section 3 of the Customs Tariff Act, 1975 (51 of 1975) on imported naphthalene falling under sub-heading No. 2707.40 of the second-mentioned Act and used in the manufacture of such dye intermediates, pharmaceutical products, pigments, synthetic organic dyestuff, leather tanning agents was not being levied under section 3 of the first-mentioned Act, during the period commencing on the 6th day of October, 1986 and ending with the 19th day of March, 1990;

And whereas the special duty of excise on such dye intermediates, pharmaceutical products, pigments, synthetic organic dyestuff, leather tanning agents was also not being levied under the relevant law relating to the levy of such duty during the period aforesaid;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 11C of the first-mentioned Act, the Central Government hereby directs that the whole of the duty of excise and the special duty of excise payable under the first-mentioned Act, or, as the case may be, under the said law on such dye intermediates, pharmaceutical products, pigments, synthetic organic dyestuff, leather tanning agents, but for the said practice, shall not be required to be paid in respect of such dye intermediates, pharmaceutical products, pigments, synthetic organic dyestuff, leather tanning agents on which the duty of excise or the special duty of excise was not levied during the period aforesaid, in accordance with the said practice.

[F. No. 95/3/90-CX.3]

C. K. KALONI, Dy. Secy.